ISSN: 2583-8288

Popular Article

Published on: 15.10.2024

हाथियों का पारिस्थितिकी मूल्य

आशा[1], पूजा[2], रवि डबास[3]

[1]नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, 482004

[2]पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, दुवासु, मथुरा,

[3]भाकृअनुप - भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, (उत्तर प्रदेश)-243122

DOI:10.5281/Vettoday.13936591

सारांश

हाथी, जो दुनिया के सबसे बड़े स्थलीय स्तनधारी हैं, अफ्रीका और एशिया में पाए जाते हैं और अपने पारिस्थितिकी तंत्र में "कीस्टोन प्रजाति" के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनकी गतिविधियों से पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जो कई अन्य प्रजातियों के अस्तित्व के लिए आवश्यक होता है। सूखे के दौरान हाथी जमीन में खुदाई कर पानी के गड्ढे बनाते हैं, जिससे अन्य जानवरों को भी पानी मिल पाता है। बीज फैलाने की प्रक्रिया में वे नए पौधों और आवासों को जन्म देते हैं, जिससे जैव विविधता बनी रहती है। हाथी चलते समय रास्ते बनाते हैं, जिससे छोटे जानवरों के लिए आवागमन आसान हो जाता है और पौधों को बढ़ने के अवसर मिलते हैं। हाथी का गोबर कई कीटों के लिए भोजन का स्रोत है, जो पक्षियों और अन्य प्रजातियों के भोजन श्रृंखला में शामिल होते हैं। हाथियों के पैरों के निशान पानी से भरकर उभयचरों को प्रजनन के लिए सुरक्षित आश्रय प्रदान करते हैं। इसके अलावा, हाथी मिट्टी से खनिज निकालते हैं, जिससे अन्य शाकाहारी जानवर भी लाभान्वित होते हैं। इन विभिन्न कार्यों के कारण हाथी पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं, और उनके संरक्षण की आवश्यकता अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

प्रस्तावना

हाथी दुनिया के सबसे बड़े जमीन पर रहने वाले स्तनधारी हैं और वे अफ्रीका और एशिया में पाए जाते हैं। वे सबसे बुद्धिमान प्रजातियों में से एक हैं और मैमथ के वंशज हैं, जो विलुप्त होने के बावजूद लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। ये बड़े कान वाले जीव कई धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं में अहम स्थान रखते हैं, और कई समुदाय उनकी पूजा भी करते हैं। हाथी हमारे पर्यावरण में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं, जिस वजह से उन्हें "कीस्टोन प्रजाति" कहा जाता है। कीस्टोन प्रजातियाँ वे होती हैं जो अपने पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जरूरी सेवाएँ प्रदान करती हैं, जिनसे अन्य प्रजातियों का अस्तित्व भी जुड़ा होता है। हाथी की कुछ सेवाएँ अद्भुत होती हैं और ये अन्य जानवरों की मदद करती हैं।

हाथी पृथ्वी के सबसे विशाल और बुद्धिमान प्राणियों में से एक हैं, और उनका

पारिस्थितिकी तंत्र में बेहद महत्वपूर्ण योगदान होता है। वे केवल एक बड़ी प्रजाति नहीं हैं, बल्कि "कीस्टोन" प्रजाति के रूप में कार्य करते हैं, जिसका अर्थ है कि उनके व्यवहार और क्रियाएँ पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर गहरा प्रभाव डालती हैं। हाथी वनस्पतियों को फैलाने, जल स्रोतों की खोज और निर्माण करने, जंगलों की संरचना को बदलने और नए रास्ते बनाने जैसे कई कार्य करते हैं, जो न केवल उनके जीवन के लिए, बल्कि अन्य कई प्राणियों के अस्तित्व के लिए भी आवश्यक होते हैं। उनका प्रभाव जंगलों, घास के मैदानों और सवाना क्षेत्रों की जैव विविधता को बनाए रखने और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इस प्रकार, हाथियों का पारिस्थितिकी मूल्य केवल उनकी उपस्थिति तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके कार्यों से सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का विकास और स्थायित्व सुनिश्चित होता है।

हाथी सूखे के दौरान पानी के गड्ढे बनाते हैं

हाथियों की सूंघने की क्षमता बहुत तेज होती है, जिससे वे जमीन के नीचे पानी की उपस्थिति का पता लगा सकते हैं। जब प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाते हैं, तो हाथी अपनी सूंड और पैरों का उपयोग करके जमीन में खुदाई करते हैं ताकि पानी तक पहुँच सकें। इस प्रक्रिया से वे पानी के छोटे-छोटे गड्ढे बना देते हैं, जिससे न केवल उन्हें, बल्कि अन्य जानवरों को भी पानी मिल पाता है। यह व्यवहार सूखा प्रभावित क्षेत्रों में बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि ये गड्ढे कई अन्य प्राणियों के लिए भी जीवनदायिनी स्रोत बन जाते हैं।

हाथी बीज फैलाते हैं

हाथी शाकाहारी होते हैं, यानी वे कई तरह के पौधे और उनके बीज खाते हैं। जब वे इन बीजों को खाते हैं और फिर अपने गोबर के साथ फैलाते हैं, तो ये बीज नए पौधे, घास और झाड़ियाँ बनने लगते हैं। गोबर एक प्राकृतिक उर्वरक की तरह काम करता है, जो पौधों के अंकुरण और विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व देता है। जब हाथी एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं, तो वे पौधों को नए इलाकों में उगने और बढ़ने में मदद करते हैं, जिससे जानवरों के लिए नए आवास बनते हैं।

क्या आप जानते हैं कि अफ्रीकी हाथी 335 तरह के पौधों के बीज फैला सकते हैं, जबकि एशियाई हाथी 122 अलग-अलग पौधों के बीज फैलाने में सक्षम हैं?

हाथी नए रास्ते बनाते हैं

हाथी एक मजबूत प्रजाति हैं, इसलिए वे चलते समय कई पौधों को रौंद सकते हैं। इससे घने पौधों वाले इलाकों में रास्ता बनता है, जिससे छोटे जानवर आसानी से घूम पाते हैं। हाथी कंटीली झाड़ियों को भी उखाड़ देते हैं, जिससे छोटे जानवरों के लिए सुरक्षित रास्ते खुल जाते हैं। कुछ झाड़ियों को हटाने से ज़मीन पर ज्यादा रोशनी पहुँचती है, जिससे नए पौधे बेहतर तरीके से उगते हैं और उनकी प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। इस तरह, हाथी न केवल छोटे जानवरों के लिए रास्ते बनाते हैं, बल्कि पौधों के बढ़ने के लिए भी बेहतर अवसर देते हैं।

हाथी भोजन उपलब्ध कराते हैं

हाथी का गोबर कई प्रजातियों, खासकर कीड़ों के लिए भोजन का महत्वपूर्ण स्रोत है। चूंकि हाथी दिन में 15 से ज्यादा बार शौच करते हैं, उनका गोबर उन प्रजातियों के लिए भरपूर भोजन देता है जो इस पर निर्भर हैं। इसलिए, ताजे गोबर के पास कई कीड़े इकट्ठा हो जाते हैं, जो फिर पक्षियों के लिए भोजन बनते हैं। गोबर भृंग हाथी के गोबर को इकट्ठा करके अपने लार्वा के लिए भोजन के रूप में संग्रहीत करते हैं, और हनी बेजर इन लार्वा को खा जाते हैं। तितलियाँ भी ताजे गोबर पर आती हैं, क्योंकि यह उन्हें गर्म रखता है और इसमें प्रजनन के लिए जरूरी खनिज होते हैं, जिन्हें नर तितलियाँ खाती हैं। इसके अलावा, जब हाथी भोजन खोजते हैं, तो पेड़ों की शाखाएँ और पत्तियाँ गिर जाती हैं, जो पेड़ों की छंटाई में मदद करती हैं और उनकी वृद्धि को बढ़ावा देती हैं। ये गिरी हुई

शाखाएँ गौर और सांभर जैसे बड़े शाकाहारी जानवरों के लिए भोजन का काम करती हैं, जो हाथियों के साथ पारिस्थितिकी तंत्र में रहते हैं।

हाथी आश्रय प्रदान करते हैं

जैसे हाथी भोजन प्रदान करते हैं, वैसे ही वे छोटे जीवों, खासकर उभयचरों और कीड़ों के लिए आश्रय भी देते हैं। सूखे मौसम में, हाथी के पैरों के निशान पानी से भर जाते हैं, जो मेंढकों के लिए अंडे देने और टैडपोल के बढ़ने के लिए एक आदर्श जगह बनते हैं। इसके अलावा, इन निशानों से मेंढकों को शिकारी से सुरक्षित प्रजनन स्थल मिलते हैं और ये मेंढक आबादी को जोड़ने के लिए कनेक्टिंग पॉइंट के रूप में काम करते हैं।

हाथी प्राकृतिक नमक चाटने में मदद करते हैं

खनिज, जिनमें सोडियम भी शामिल है, हाथियों और अन्य प्राणियों की वृद्धि और विकास के लिए जरूरी होते हैं। जंगल में, हाथी पौधों से अपने खनिज प्राप्त करते हैं, लेकिन जब संसाधन कम हो जाते हैं, तो वे मिट्टी से खनिज लेते हैं। हाथी अपनी सूंड से उन जगहों को सूँघते हैं जहाँ मिट्टी में ज्यादा खनिज होते हैं, फिर अपने दाँतों से खोदकर उसे खाते हैं। इन नमक वाली जगहों का फायदा न केवल हाथी, बल्कि अन्य शाकाहारी जानवर भी उठाते हैं, जिन्हें खनिज की जरूरत होती है। हाथी अपने पारिस्थितिकी तंत्र में इतनी अहम भूमिका निभाते हैं कि इसे कोई और प्रजाति नहीं निभा सकती। इसीलिए, दुनिया भर में कई संगठन उनके संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं।